भारत सरकार
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *251
जिसका उत्तर 12.12.2024 को दिया जाना है

एकीकृत सड़क दुर्घटना डाटाबेस

*251. श्री सुधाकर सिंहः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) देश भर में एकीकृत सड़क दुर्घटना डाटाबेस (आईआरएडी) प्रणाली के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है और इस प्रणाली को कितने राज्यों ने पूरी तरह से अपनाया है;
(ख) आईआरएडी के कार्यान्वयन के उपरांत राज्य-वार इसके माध्यम से दर्ज की गई सड़क दुर्घटनाओं की संख्या कितनी है और अभिज्ञात कारणों का विश्लेषण और समाधान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;
(ग) दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित सहायता और मुआवजा प्रदान करने के लिए आईआरएडी के तहत दुर्घटना आईडी समय पर बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जा रहे हैं; और
(घ) सड़क दुर्घटनाओं को कम करने हेतु नीतियां बनाने के लिए सरकार आईआरएडी से डेटा का उपयोग किस प्रकार रही है और इसके फलस्वरूप दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में क्या सुधार देखे गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

"एकीकृत सड़क दुर्घटना डाटाबेस" के संबंध में श्री सुधाकर सिंह द्वारा पूछे गए दिनांक 12.12.2024 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *251 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख) एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस (आईआरएडी) प्रणाली सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में शुरू की गई है। 09 दिसंबर, 2024 तक प्रणाली पर राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा रिपोर्ट की गई सड़क दुर्घटनाओं की राज्यवार तिथियों और संख्या अनुबंध में दी गई है। आईआरएडी सिस्टम के शुरू होने के बाद से अब तक सिस्टम पर कुल 14,10,590 सड़क दुर्घटनाओं की सूचना दी गई है। निरीक्षण/प्रमाणन अनुरोध के साथ दुर्घटना विवरण पुलिस विभाग द्वारा संबंधित हितधारक विभागों अर्थात परिवहन, स्वास्थ्य और सड़क/राजमार्गों को भेजा जाता है।

संबंधित विभाग द्वारा निरीक्षण के निष्कर्षों/परिणामों के आधार पर, विभिन्न सड़क सुरक्षा उपाय जैसे कि इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन उपकरणों को स्थापित किया जाना सहित प्रवर्तन उपायों का प्रभावी कार्यान्वयन, सड़कों/राजमार्गों के बुनियादी ढांचे में संशोधन और सुधार कार्य आदि को कार्यान्वित किया जाता है।

(ग) सरकार ने आईआरएडी के विकास और कार्यान्वयन का कार्य राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) को सौंपा है। राज्य रोलआउट प्रबंधकों (एसआरएम) और जिला रोलआउट प्रबंधकों (डीआरएम) को राज्यों में पुलिस, परिवहन, राजमार्ग और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न हितधारकों द्वारा प्रशिक्षण, जागरूकता और एप्लिकेशन के उचित उपयोग के लिए आईआरएडी के तहत तैनात किया गया है। ये पहल दुर्घटना आईडी के समय पर बनाने और दुर्घटना स्थलों पर दुर्घटना विवरण को कैप्चर करने के लिए फील्ड अधिकारियों को प्रशिक्षित और संवेदनशील बनाने के लिए की जाती हैं।

सरकार ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार प्रदान करने के लिए पायलट कार्यक्रम लागू किया है। कार्यक्रम के सुचारू कार्यान्वयन के लिए आईआरएडी प्रणाली को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के लेनदेन प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) के साथ एकीकृत किया गया है।

(घ) जबकि आईआरएडी में प्राप्त डाटा हाल ही का है (लगभग 2 वर्ष), एकीकृत योजना और समन्वित कार्यान्वयन के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में कमी सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कुछ कदम/नीतिगत निर्णय निम्नानुसार हैं:

- आईआरएडी को पीएम गति शक्ति के साथ एकीकृत किया गया है। एकीकरण से योजना और डिजाइन चरण में दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है ताकि नई राजमार्ग परियोजनाओं के डिजाइन और विकास में पर्याप्त सुरक्षा उपायों को अंतिम रूप दिया जा सके।
- सरकार ने 27.02.2024 के परिपत्र के माध्यम से राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों सहित सड़क स्वामित्व एजेंसियों को आईआरएडी प्रणाली पर दर्ज दुर्घटना स्थलों पर तत्काल अल्पकालिक सुधार उपायों के लिए निर्देश जारी किए हैं। इसकी प्रगति की नियमित आधार पर निगरानी की जाती है। पुलिस द्वारा सड़क स्वामित्व एजेंसियों को भेजे गए कुल 86,515 राजमार्ग सड़क जांच अनुरोधों में से 64376 (74%) अनुरोधों का निरीक्षण किया गया है और रिपोर्ट सिस्टम पर अपलोड की गई है।
- दुर्घटनाओं की संख्या, शामिल व्यक्तियों की संख्या आदि के आधार पर शीर्ष दुर्घटना स्थलों की पहचान करने के लिए ग्रिड विश्लेषण का उपयोग करके दुर्घटना डेटा का विश्लेषण किया जाता है, ताकि तदनुसार बीच-बचाव की योजना बनाई जा सके। इसके अलावा, दो समय अवधियों के बीच दुर्घटना प्रवृत्तियों का विश्लेषण करने के लिए ट्रांजिशन मैट्रिक्स भी बनाया गया है।
- आईआरएडी विभिन्न सुधार उपायों के प्रभाव आकलन के लिए भी सहायक है। दुर्घटनाओं और मौतों को कम करने में सड़क इंजीनियरिंग उपायों की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए 4816 सुधारे गए ब्लैकस्पॉट का प्रभाव आकलन किया गया। यह देखा गया कि लगभग 85% इसका सकारात्मक प्रभाव (जहां स्पॉट सुधारे गए हैं वहां दुर्घटनाओं और मौतों में कमी) है।
- आईआरएडी का उपयोग लगातार 5 किमी लंबाई वाले उन गलियारों की पहचान के लिए भी किया जाता है, जहां सड़क दुर्घटना में कोई मृत्यु नहीं हुई है।

अनुबंध

"एकीकृत सड़क दुर्घटना डाटाबेस" के संबंध में श्री सुधाकर सिंह द्वारा पूछे गए दिनांक 12.12.2024 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *251 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

आईआरएडी प्रणाली के लागू होने की राज्यवार तिथि और प्रणाली पर रिपोर्ट की गई सड़क दुर्घटनाओं की संख्या (9/12/2024 तक)

क्र. सं.	राज्य	रोल आउट तिथि	दुर्घटनाओं की संख्या
1	अंडमान और निकोबार	27.12.2021	368
2	आंध्र प्रदेश	01.03.2022	51,174
3	अरुणाचल प्रदेश	21.02.2022	393
4	असम	20.06.2022	27,214
5	बिहार	13.01.2022	31,474
6	चंडीगढ़	22.04.2022	2,996
7	छत्तीसगढ	01.08.2021	38,480
8	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	30.08.2022	395
9	दिल्ली	28.03.2022	17,016
10	गोवा	13.10.2021	8,147
11	गुजरात	01.05.2022	51,064
12	हरियाणा	02.01.2022	30,115
13	हिमाचल प्रदेश	17.11.2022	4,902
14	जम्मू और कश्मीर	20.06.2022	13,710
15	झारखंड	01.06.2022	10,780
16	कर्नाटक	15.02.2021	142,770
17	केरल	15.11.2021	136,816
18	लद्दाख	27.04.2022	697
19	लक्षद्वीप	11.01.2022	10
20	मध्य प्रदेश	19.02.2021	181,479
21	महाराष्ट्र	15.02.2021	117,872
22	मणिपुर	28.01.2022	1,010
23	मेघालय	12.10.2021	563
24	मिजोरम	15.09.2021	457
25	नगालैंड	05.04.2022	554
26	ओडिशा	15.08.2021	27,005
27	पुदुचेरी	04.10.2021	4,286
28	पंजाब	01.04.2022	1,800
29	राजस्थान	15.02.2021	86,255
30	सिक्किम	31.01.2022	488

31	तमिलनाडु	15.02.2021	197,097
32	तेलंगाना	09.08.2021	46,282
33	त्रिपुरा	15.02.2022	1,702
34	उत्तराखंड	22.01.2022	4,337
35	उत्तर प्रदेश	15.02.2021	150,107
36	पश्चिम बंगाल	28.11.2022	20,775
कुल			14,10,590

*****